Toppersnotes®
Unleash the topper in you

DDA – Patwari

Preliminary

Delhi Development Authority (DDA)

Volume - 3

General Hindi & English

SIERRA INNOVATIONS

INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्ण विचार	1
2	संज्ञा	5
3	सर्वनाम	7
4	विशेषण	8
5	क्रिया	9
6	काल	16
7	संधि	18
8	समास	34
9	उपसर्ग	40
10	देशज शब्द	49
11	प्रत्यय	53
12	वाक्य विचार	61
13	वाक्य रचना	68
14	अपठित गद्यांश	72
15	तत्सम – तद्भव शब्द	80
16	वाच्य	82
17	मुहावरे	84
18	लोकोक्तियाँ	90
19	विलोम शब्द	93
20	वाक्य के लिए एक शब्द	99
21	Noun	105
22	Pronoun	113
23	Adjective	118

INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Adverbs	124
25	Verbs	130
26	Conjunction	138
27	Preposition	143
28	Articles	148
29	Tense	152
30	Conditional Sentences	158
31	Subject Verb Agreement	161
32	Voices	165
33	Narration	171
34	Transformation of Sentences	178
35	Antonyms & Synonyms	183
36	Idioms with their meaning and uses in sentence	195
37	Comprehension	206
38	Spotting Error	218
39	Sentence Improvements	227

1 CHAPTER वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम को भाषा कहते हैं ।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से छोटी इकाई ध्वनि या वर्ण है।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह अ म् अ) है ।

लिपि –किसी भाषा को लिखनें का ढंग लिपि कहलाता है। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विषेशताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात् जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता।
किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है।
जैसे :– क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :– 2 प्रकार है।
(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :– स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है। हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।
जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :– मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार है ।

(i) ह्रस्व स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे कम समय लगता है हस्व स्वर कहलाते है।
जैसे – अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या – 4)
नोट :– (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे मुल स्वर से अधिक समय/ दुगुना समय लगता है। वे दीर्घ स्वर कहलाते है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, (कुल संख्या –7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है । स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ 3 का चिह्न लगाया जाता है ।
जैसे – अ^3, आ^3, इ^3, ई^3, उ^3, ऊ^3, ए^3, ऐ^3, ओ^3, औ^3,

(2) उच्चारण के आधार पर :– (2 प्रकार है)

(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर निकलती है ।
नोट – अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।
जैसे – अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है।
बिना चन्द्रबिन्दू के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।
जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर – (3 प्रकार है)

(i) अग्र स्वर :– उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।
जैसे – इ, ई, ए, ऐ

(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।
जैसे – आ, उ, ऊ, ओ, औ , ऑ
पहचान :– निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार है ।

(i) वृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना।
जैसे :– उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर–नीचे फैलना।
जैसे – अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) मुखाकृति के आधार पर – 04 प्रकार है।

(i) संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना। जैसे – इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना – ए, ओ

(iii) विवृत – उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा/पूरा खुलना। जैसे – आ

(iv) अर्द्धविवृत – उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना।
जैसे – अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है।
हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है ।
जिनको तीन भागों में बाँटा गया है ।
(i) स्पर्श व्यंजन – (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)
(ii) अंतः स्थ व्यंजन – (04)
(iii) ऊष्म व्यंजन – (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करते मुख से बाहर निकलती है वह स्पर्श व्यंजन कहलाते है ।
स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है –
(अ) 'क' वर्ग – क् ख् ग् घ् ड्.
(ब) 'च' वर्ग – च् छ् ज् झ् ञ्
(स) 'ट' वर्ग – ट् ठ् ड् ढ् ण्
(द) 'त' वर्ग – त् थ् द् ध् न्
(य) 'प' वर्ग – प् फ् ब् भ् म्

(ii) अंतः स्थ व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है ।
कुल अन्तः स्थ व्यंजन – 4 है ।
जैसे :– य् व् र् ल्

(iii) ऊष्म व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह ऊष्म व्यंजन कहलाता है।
कुल ऊष्म व्यंजन – 4 है।
जैसे – श, स, ष, ह

संयुक्त व्यंजन – इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है ।

क्ष – ष् + अ

त्र – त् + र + अ

ज्ञ – ज् + ञ्+ अ

श्र – श् + र् + अ

व्यंजनों का वर्गीकरण

व्यंजनों का वर्गीकरण – मुख्यतः 2 प्रकार का है ।
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर
(2) प्रयत्न के आधार पर

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर –

स्वर – युक्त व्यंजन व उनका वर्गीकरण–

(अ) उच्चारण स्थान के आधार पर –

उच्चारण स्थान	नाम ध्वनि	वर्ग	व्यंजन	स्वर
कंठ	कंठ्य	क वर्ग	क ख ग घ ङ ह	अ आ
तलु	तालव्य	च वर्ग	च छ ज झ ञ य श	इ ई
मूर्द्धा	मूर्द्धन्य	ट वर्ग	ट ठ ड ण ड़ ढ़ ष र	ऋ
दाँत	दन्त्य	त वर्ग	त थ द ध न ल स	
ओष्ठ	ओष्ठ्य	प वर्ग	प फ ब भ म	उ ऊ
कंठ व तालु	कंठ्य–तालव्य			ए ऐ
दाँत व ओष्ट	दन्तोष्ठ्य		व	
कंठ व ओष्ठ	कंठोष्ठ्य			ओ औ
नासिक्य			ङ्., ञ् ण् न् म्	

2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण

मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है –
(i) कंपन के आधार पर
(ii) श्वास वायु के आधार पर
(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कम्पन्न के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) **अघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वरतंत्रियो में कम्पन्न नहीं होता है अघोष कहलाते है। इसमें वर्ग का पहला,दुसरा वर्ण तथा श, स, ष आते है।

b) **घोष/सघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वर तंत्रियों मे कम्पन्न होता है घोष/सघोष कहलाते है
इसमे वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण तथा य. र, ल, व, ह और सभी स्वर आते है।

(ii). श्वास वायु के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) अल्प प्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय कम वायु बहार निकलती हो, अल्प प्राण कहलाते हैं।

b) महाप्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु की आवश्यकता होती है, महाप्राण कहलाता है।
इसमे दुसरा, चौथा वर्ण तथा श,स,ब,ह आते है।

(iii).उच्चारण के आधार पर –

इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है ।

a. स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
b. स्पर्श संघर्शी व्यंजन (4) – च, छ, ज, झ
c. संघर्षी व्यंजन (4) – ष, श, स, ह
d. नासिक व्यंजन (5) – ड., ञ, ण, न, म
e. उत्क्षिप्त व्यंजन (2) – ड, ढ
f. प्रकंपित व्यंजन (1) – र
g. पार्श्विक व्यंजन (1) – ल
h. संघर्षहीन व्यंजन (2) – य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य (''वर्ण विचार'' से संबंधित)

- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

	समानाक्षर स्वर	संधि स्वर
(i)	आ – अ + अ	ए – अ + इ
(ii)	ई – इ + इ	ऐ – अ – ए
(iii)	ऊ – उ + उ	औ – अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ – क़रीब
ख़ – ख़ाना
ग़ – ग़म
ज़ – ज़रा
फ़ – फ़न, फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (ɛ́)
जैसे – कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान ''विप्रसाद सितारे हिंद'' को जाता है।
- काकल वर्ण के अन्तर्गत, (ः) विसर्ग को शामिल किया जाता है।
- वर्त्स वर्णो में न, स, ल को शामिल किया जाता है।
- इसकी कुल संख्या चार होती है।
(1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ)
(3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है। क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वरों में जोड़ा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें का परिचायक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खड़ी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खड़ी पाई हटा दी जाती है। उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है।
जैसे– विद्या, पाठ्य, अपराह्न, पट्टा आदि।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है।
4. ईशत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है।
5. ईशद्विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (ष, श, स, ह)
6. रक्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

नोट – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ण होते है।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें।

स्वर	व्यंजन	कुल
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड., ढ. + (2) (उत्क्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	.क ख़ ग़ ज़ .फ + 5 गृहीत व्यंजन	57

नोट – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते हैं।

उत्क्षिप्त वर्ण

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्ध्दा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते हैं।

जैसे – ड. ढ.

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, अड्डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है।
  जैसे – पढ.ाई, लड.ाई, सड़क, पकड़ना, ढूँढना आदि।

रकार/रेफ या र संबंधित नियम

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात्, पुनर्जन्म, पुनर्निमाण, आशीर्वाद।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

Toppersnotes
Unleash the topper in you

2 CHAPTER संज्ञा

परिभाषा

- किसी प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाती हैं।
- साधारण शब्दों में नाम को ही संज्ञा कहते है।
- जैसे – अजय ने जयपुर के हवामहल की सुंदरता देखी।
- अजय एक व्यक्ति है, जयपुर स्थान का नाम है, हवामहल वस्तु का नाम है। सुंदरता एक गुण का नाम है।

संज्ञा के भेद –

संज्ञा के मुख्यतः तीन भेद है –

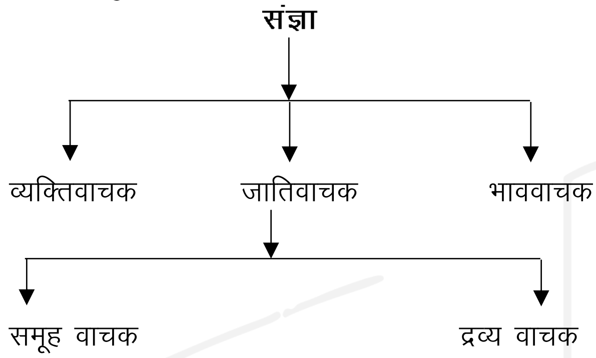

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से एक ही व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

- व्यक्तिवाचक संज्ञा विशेष का बोध कराती है सामान्य का नही।
- व्यक्तिवाचक संज्ञा में व्यक्तियों, देशों, शहरों, नदियों, पर्वतों, त्योहारों, पुस्तकों, दिशाओ, समाचार–पत्रों, दिन, महीनों के नाम आते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से किसी जाति के संपूर्ण प्राणियों, वस्तुओं, स्थानों आदि का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
प्रायः जातिवाचक वस्तुओं, पशु–पक्षियों, फल–फूल, धातुओं, व्यवसाय संबंधी व्यक्तियों, नगर, शहर, गाँव, परिवार, भीड़ जैसे समूहवाची शब्दों के नाम आते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा
प्रशान्त महासागर	महासागर
भारत, राजस्थान	देश, राज्य
रामचन्द्र शुक्ल, महावीर द्विवेदी	इतिहासकार, कवि
रामायण, ऋग्वेद	ग्रंथ, वेद
अजय की भैंस	भदावरी, मुर्रा
हनुमानगढ, नोहर	जिला, उपखण्ड
ग्राण्ड ट्रंक रोड़	रोड़, सड़क

3. भाववाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द में प्राणियों या वस्तुओं के गुण, धर्म, दशा, कार्य, मनोभाव, आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

- प्रायः गुण–दोष, अवस्था, व्यापार, अमूर्त भाव तथा क्रिया भाववाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।
- भाववाचक संज्ञा की रचना मुख्यतः पाँच प्रकार के शब्दों से होती हैं।
  1. जातिवाचक संज्ञा से
  2. सर्वनाम से
  3. विशेषण से
  4. क्रिया से
  5. अव्यय से

जातिवाचक संज्ञा से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन
शिशु	शैशव
ईश्वर	ऐश्वर्य
विद्वान	विद्वता
व्यक्ति	व्यक्तित्व
मित्र	मित्रता
बंधु	बंधुत्व
पशु	पशुता
बूढ़ा	बुढापा
पुरूष	पुरूषत्व
दानव	दानवता
इंसान	इंसानियत
सती	सतीत्व
लड़का	लड़कपन
आदमी	आदमियत
सज्जन	सज्जनता
गुरु	गौरव
चोर	चोरी
ठग	ठगी

विशेषण से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
बहुत	बहुतायत
न्यून	न्यूनता
कठोर	कठोरता
वीर	वीरता
विधवा	वैधव्य
मूर्ख	मूर्खता
चालाक	चालाकी
निपुण	निपुणता

शिष्ट	शिष्टता
गर्म	गर्मी
ऊँचा	ऊँचाई
आलसी	आलस्य
नम्र	नम्रता
सहायक	सहायता
बुरा	बुराई
चतुर	चतुराई
मोटा	मोटापा
शूर	शौर्य / शूरत
स्वस्थ	स्वास्थ्य
सरल	सरलता
मीठा	मिठास
आवश्यक	आवश्यकता
निर्बल	निर्बलता
हरा	हरियाली
काला	कालापन / कालिमा
छोटा	छुटपन
दुष्ट	दुष्टता

क्रिया से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

क्रिया	भाववाचक संज्ञा
बिकना	बिक्री
गिरना	गिरावट
थकना	थकावट / थकान
हारना	हार
भूलना	भूल
पहचानना	पहचान
खेलना	खेल
सजाना	सजावट
लिखना	लिखावट
जमना	जमाव
पढ़ना	पढ़ाई
हंसना	हँसी
भूलना	भूल
उड़ना	ऊड़ान
सुनना	सुनवाई
कमाना	कमाई
गाना	गान
चमकना	चमक
उड़ना	उड़ान
पीना	पान

अव्यय से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

अव्यय	भाववाचक संज्ञा
उपर	उपरी
समीप	सामीप्य
दूर	दूरी
धिक्	धिक्कार
निकट	निकटता
शीघ्र	शीघ्रता
मना	मनाही

- 'अन' प्रत्यय से जुड़ें शब्द भाववचाक संज्ञा शब्द माने जाते हैं।
  जैसे – व्याकरण वि + आ + कृ + अन
  कारण कृ + अन
- कुछ विद्वानों ने संज्ञा के दो अन्य भेद भी स्वीकार किये हैं।

1. **समुदायवाचक संज्ञा** – ऐसे संज्ञा शब्द जो किसी समूह की स्थिति को बताते हैं। समुदाय वाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे – सभा, भीड़, ढेर, मण्डली, सेना, कक्षा, जुलूस, परिवार, गुच्छा, जत्था, दल आदि।

2. **द्रव्य वाचक संज्ञा** – किसी द्रव्य या पदार्थ का बोध कराने वाले शब्दों को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
   जैसे – दूध, घी, तेल, लोहा, सोना, पत्थर, ऑक्सीजन, पारा, चाँदी, पानी आदि।
   नोट – जातिवाचक संज्ञा का कोई शब्द यदि वाक्य प्रयोग में किसी व्यक्ति के नाम को प्रकट करने लगे तो वहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा मानी जाती है।
   आजाद – भारत की स्वतंत्रता में चन्द्रशेखर आजाद ने महत्त योगदान दिया था।
   सर दार – सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत को जोड़नें की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
   गाँधी – गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को शुरू किया था।

- ओकारान्त बहुवचन में लिखा विशेषण शब्द विशेषण न मानकर जातिवाचक संज्ञा शब्द माना जाता है।
  जैसे –
  गरीब गरीबों
  बड़ा बड़ों
  अमीर अमीरों

Unleash the topper in you

3 CHAPTER सर्वनाम

परिभाषा – भाषा में सुंदरता, संक्षिप्तता, एवं पुनरुक्ति दोष से बचने के लिए संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह सर्वनाम कहलाता है।

- सर्वनाम शब्द सर्व + नाम के योग से बना है जिसका अर्थ है – सब का नाम।
- सभी संज्ञाओं के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के प्रयोग से वाक्य में सहजता आ जाती है।
  जैसे – अमर आज विद्यालय नहीं आया क्योंकि वह अजमेर गया है।
- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के भेद – सर्वनाम के कुल 06 भेद हैं

1. पुरुषवाचक
2. निश्चय वाचक
3. अनिश्चय वाचक
4. संबंध वाचक
5. प्रश्न वाचक
6. निजवाचक

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग वक्ता, श्रोता, अन्य तीसरा (कहनें वाला, सुनने वाला, अन्य) जिसके लिए कहा जाए, के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम को भी तीन भागों में बाँटा गया है

पुरुषवाचक सर्वनाम

↓ उत्तम पुरुष ↓ मध्यम पुरुष ↓ अन्य पुरुष

(i) उत्तम पुरुष – बोलने वाला / लिखने वाला
जैसे – मैं, हम, हम सब।

(ii) मध्यम पुरुष – श्रोता/सुनने वाला
जैसे – तू, तुम, आप, आप सब।

(iii) अन्य पुरुष – बोलने वाला व सुनने वाला जिस व्यक्ति या तीसरे के बारें में बात करें वह अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – यह, वह, ये, वे, आप।

2. निश्चय वाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जो पास या दूर स्थित व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चितता का बोध कराते हैं। वे निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
पास की वस्तु के लिए – यह, ये।
दूर की वस्तु के लिए – वह, ये।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु के बारें में निश्चतता का बोध नहीं होता हैं। अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – कोई

- सजीवता के लिए – 'कोई' का प्रयोग
  उदाः रमन को कोई बुला रहा है।
- निर्जीवता के लिए – 'कुछ' का प्रयोग
  उदाः दूध मे कुछ गिरा है।

4. संबंधवाचक सर्वनाम – दो उपवाक्यों के बीच आकर संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे उपवाक्य के साथ दर्शाने वाले सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – जिसकी लाठी उसकी भैंस।
जो मेहनत करेगा वो सफल होगा।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता हैं वह प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – वहाँ गलियारे से होकर कौन जा रहा था ?
कल तुम्हारे पास किसका पत्र आया था ?

6. निजवाचक सर्वनाम – ऐसे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – आप, स्वयं, खुद, अपना।
जैसे – मैं अपने आप चला जाऊँगा।

- सर्वनाम में आप शब्द का प्रयोग विभिन्न सर्वनामों में किया जाता है जिसका सही प्रयोग निम्न तरीकों से जाना जा सकता है।
  (i) अगर 'आप' शब्द का प्रयोग 'तुम' शब्द के रूप में किया जाता है तो – मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।
  (ii) 'आप' शब्द का प्रयोग स्वयं के अर्थ में होने पर – निजवाचक सर्वनाम होगा।
  (iii) आप शब्द का प्रयोग किसी अन्य व्यक्ति से परिचय करवाने के लिए प्रयुक्त हो तो वाक्य में अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।

4 CHAPTER विशेषण

परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को विशेषण कहा जाता है।

जो शब्द विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहा जाता है और जिसकी विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहा जाता है।

जैसे – छोटा जादूगर करतब दिखा रहा है ।

यहाँ छोटा शब्द विशेषण है तथा जादूगर विशेष्य (संज्ञा) है।

विशेष – विशेषण की पहचान का तरीका

किसी भी वाक्य में कैसा/कैसी/कैसे अथवा कितना/कितनी/कितने शब्दों से प्रश्न किये जाने पर इसके उत्तर के रूप में जो कोई भी शब्द लिखा जाता है। यह विशेषण माना जाता है।

जैसे –

(i) अंकित कैसा लडका है ?
उत्तर – अंकित अच्छा/बुरा/भला/शैतान/चंचल लडका है।

(ii) हरी तुम्हारे पास कितनी गायें है ?
उत्तर – मेरे पास पाँच/दस/सौ/हजारों गाये है।

विशेषण के भेद – विशेषण मूलतः चार प्रकार के होते है।

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. संकेतवाचक (सार्वनामिक) विशेषण
5. व्यक्ति वाचक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण

ऐसे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम के रंग, रूप, गुण, दोष, आकार, दशा, स्थिति, स्थान, काल, समय, आदि की विशेषता को प्रकट करते हैं, वहाँ गुणवाचक विशेषण माना जाता है।

जैसे – कृष्णमृग, सुन्दर बालिका, भले लोग, गंदी बस्ती, बड़ा लड़का, पुराना मकान आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द किसी पदार्थ की संख्या को प्रकट करे। एक, दूसरी, चौगुनी, दोनों, शतक, दर्जनों, अनेक आदि।

3. परिमाण वाचक विशेषण

ऐसे विशेषण शब्द जो किसी पदार्थ में मात्रा को प्रकट करते है उनमें परिमाण वाचक विशेषण माना जाता है ।

जैसे – दो लीटर तेल, हजार टन गेहूँ, थोडा सा पानी

4. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण

विशेषण के रूप में प्रयुक्त होने वाले सर्वनाम को सार्वनामिक विशेषण कहते है।

जैसे – (i) यह किताब मेरी है। (ii) वह लडका खाना खा रहा है। (iii) जो लोग मेहनत करते है वे अवश्य अपनी मंजिल पाते है।

5. व्यक्तिवाचक विशेषण

ऐसे शब्द जो मूल रूप से व्यक्तिवाचक संज्ञा है परन्तु वाक्य में विशेषण का काम करती है उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं।

उदाः नागपुरी संतरे, कश्मीरी सेब, बनारसी साड़ी

विशेषण की अवस्थाएँ – 3 होती है।

(i) मूलावस्था – जो विशेषण शब्द अपने मूल रूप में लिखा जाता है।
जैसे – अतुल एक अच्छा लड़का है।

(ii) उत्तरावस्था – जब कोई विशेषण शब्द दो पदार्थो की तुलना करने के लिए प्रयुक्त होता है।
जैसे – (i) गंगा यमुना से पवित्र नदी है।
(ii) मानसी पटुतर लड़की है।

पहचान – जब किसी विशेषण शब्द से पहले 'से' शब्द लिखा हो अथवा विशेषण के बाद 'तर' प्रत्यय जुडा हो तो वहाँ उत्तरावस्था मानी जाती है।

(iii) उत्तमावस्था – जब कोई विशेषण शब्द अनेक पदार्थो में से किसी एक को चुनने में काम आता है, वहाँ उत्तमावस्था मानी जाती है।

पहचान – जब विषेशण शब्द से पहले सबसे शब्द या विशेषण के बाद तम/इष्टा/तरीन प्रत्यय लगा हो वहाँ उत्तमावस्था होगी।

जैसे – (i) स्नेहा कक्षा की पटुतम बालिका है।
(ii) नवीन सबसे अच्छा लडका है।
(iii) विद्यालय में व्यवस्थाएँ बेहतरीन है।

प्रविशेषण

ऐसे शब्द जो किसी विशेषण की भी विशेषता को प्रकट करते है, वे प्रविशेषण कहलाते है।

जैसे – (i) वह बहुत तेज दौड़ता है।
(ii) अवनी अत्यंत सुंदर बालिका है।

21 CHAPTER

Noun

A noun is a name of person, place, thing, idea, action, a quantity.

1. Types –

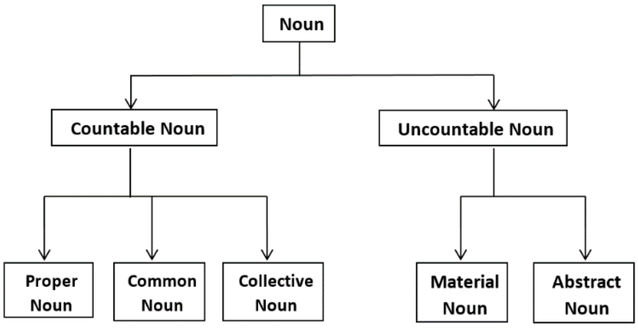

(1) **Proper noun** – Denotes a particular person, place or thing.
Ex. Akshay, Pooja, Ankita etc.

(2) **Common noun** – Is the name given in common to every person or thing of the same class or kind.
Ex: Boy, girl, company etc.

(3) **Collective noun** – Denotes a group or collective of similar individuals considered as one complete whole.
Ex: Class, Staff, Army, Parliament etc.

(4) **Material noun** – Denotes matter or substance of which a thing is made of.
Ex: Iron, gold, silver etc.

(5) **Abstract noun** – Is usually the name of a quality, action or state considered apart from the object to which it belongs.
Ex: Virtue, darkness, kindness, happiness etc.

2. Some other types according to number -

(1) **Singular noun** – Boy, girl, man, car etc.

(2) **Plural noun** – Boys, girls, men, cars etc.

(3) **Countable nouns** – Are the names of objects, people etc. that we can count.
Ex: Book, doctor, horse, apple etc.

(4) **Uncountable nouns** – Are the names of things which we can't count.
They mainly denotes substance and abstract things.
Ex: Milk, Oil, Sugar, Gold, Honesty etc.

3. Noun and the Numbers :-

Singular noun ending	Plural noun ending	Singular	Plural
-s, -ss, -ch, -x, -zz	-es	Man	Men
Ex. Focus	Focuses	Woman	Women
Princess	Princesses	Mouse	Mice
Box	Boxes	Fish	Fish or Fishes
Buzz	Buzzes	A sheep	Ten sheep
-o	-s or –es	Child	Children
Ex. Hero	Heroes	Ox	Oxen

Piano	Pianos	A woman doctor	Several women doctors
Potato	Potatoes	A bookcase	Two bookcase
Consonant +y	-ies	An Indian take away	Two Indian take away
Baby	Babies	A passer by	Several passers by
Hobby	Hobbies	Glassful	Glassfuls
Vowel +y	-s	Spoonful	Spoonfuls
Key	keys		
Ray	rays		
-f	-s or –ves		
Ex. Hoof	Hoofs or hooves		
Dwarf	Dwarfs or dwarves		
Thief	Thieves		
Roof	Roofs		
-fe	-ves		
Knife	Knives		
Life	Lives		
On	a	**Ex.**	
Phenomenon Criterion	Phenomena Criteria	Since I had never seen a falling star, seeing one on my honeymoon was real phenomena. (Use Phenomenon in place of Phenomena)	
		As we all know sunrise is a great phenomena. (×) a great Phenomenon (✓)	

(a) Is (Singular) – es (Plural) -

Singular (is)	**Plural (es)**
Analysis	Analyses
Diagnosis	Diagnoses
Casis	Cases
Thesis	Theses
Crisis	Crises

(b) US (singular) – I (plural)

Cactus - Cacti
Focus - Foci
Fungus - Fungi
Nucleus - Nuclei
Syllabus - Syllabi, Syllabuses
Radius - Radii

4. Some nouns that have different meaning in singular and plural form

Singular	**Plural**
Force (physics term)	Forces (soldier)
Air	Airs (false way of behaving)

Return	Returns (calculation of income)
Iron	Irons (shackles)
Sand	Sands (desert)
Abuse	Abuses (evil words)
Good	Goods (moveable property)
Water	Waters (sea)
Work	Works (literary pieces)
Fruit	Fruits (result)
Wit	Wits (intelligent)

5. Noun and the Gender -

Gender - The Noun which denotes male of female sex is called gender.

Such as – Horse, Dog, Ox, Father } To denote male sex

Mare, Bitch, Cow, Mother } To denote female sex

Gender

- Masculine Gender (पुल्लिंग)
- Feminine Gender (स्त्रीलिंग)
- Common Gender (उभयलिंग)
- Masculine Gender (नपुंसकलिंग)

(1) **Masculine Gender -** The noun which denotes male sex is called Masculine Gender.
Ex. Boy, Father, Brother, etc.

(2) **Feminine Gender -** The noun which denotes female sex is called Feminine Gender.
Ex. Girl, Mother, sister etc.

(3) **Common Gender -** The noun which does not specify the sex but only indicate a living thing is called Common Gender.
Ex. Baby, Student, Professor etc.

(4) **Neuter Gender -** The noun which denotes a non-living object or thing with life is called Neuter Gender.
Ex. Tree, inkpot, pen, table etc.

Unleash the topper in you

Masculine words	Feminine words	Masculine words	Feminine words
Nephew	Niece	Husband	Wife
Man	Woman	uncle	Aunt
Brother	Daughter	Sir	Madam
Bachelor	Spinster	Bridegroom	Bride
Bull	Cow	Author	Authoress
Cock	Hen	Count	Countess
Grand-Father	Grand-Mother	Land-lord	Land-Lady
Brother-in-law	Sister-in-law	Son-in-law	Daughter-in-law
Director	Directress	Votary	Votaress
Boyfriend	Girlfriend	Chairman	Chair woman

6. Some important Rules of Gender

Rule - 1

There are some nouns which are used to denote beautify, gracefulness, gentleness etc, In this condition , they are considered as feminine gender and it is used as singular pronoun she, her, hers, herself etc, according to the need.

Like as -

The moon, The Earth, Nature, flattery, Spring, hope, virtue, charity, humility, mercy, faith, peace, ship, river, nation, jealousy, liberty, fame, city, country, car, modesty, train, pride, truth, justice etc.

Ex.

(i) The moon shed her light on the bank. (✓)
The moon shed its light on the bank. (✗)

(ii) Spring has her own charms and delights. (✓)
Spring has its own charms and delights. (✗)

Rule - 2

If girl/woman/lady/ female, are used before the common gender nouns, then we used singular pronoun of feminine gender she, her, hers, herself according to use.

Like as -

Girl-Friend, Girl-student, Female-child, woman-teacher, woman-doctor, woman-conductor etc.

Ex.

(i) A girl student should not neglect her home. (✓)
A girl student should not neglect his/its home. (✗)

(ii) A woman-doctor examines the patient herself. (✓)
A woman-doctor examines the patient himself/itself. (✗)

Rule - 3

There are some nouns which are used to denote strength, firmness, energy etc. In this condition, they are considered as masculine gender and it is used as singular pronoun - he, him , his, himself according to the need.

Like as -

The sun, time, death, winter, wind, summer, thunder, Dear, love, war, wine etc.

Ex.

(i) The sun shot his bright rays. (✓)
The sun shot her bright rays. (✗)

(ii) Death always knows his victim. (✓)
Death always knows her victim. (✗)

Rule - 4

There are some nouns of masculine gender which is also used as an adjective for a woman.

Ex:

(i) Veena is a lover of fine arts.

(ii) She is a master of English.

Rule - 5

Each, every, either, neither etc. words are used as distributive pronoun or adjectives. They are pronouns of common gender, It is generally used singular pronouns - he, him, his, himself of masculine gender. but when female gender it known, the singular pronoun - She, her, hers, herself of feminine gender is used.

Ex.

(i) Every student should do his duty. (✓)
Every student should do its duty. (✗)

(ii) Each of us had finished his work. (✓)
Each of us has finished its work. (✗)

Rule - 6

Everything, something, anything and nothing are used as indefinite pronouns in sentence, It is called neuter gender pronouns for these, singular pronouns- it, its, itself of neuter gender are used.

Ex.

(i) Everything should be kept in its order. (✓)

Everything should be kept in his order. (×)

Rule - 7

For lower animals and non-living things, we used pronouns (it, its, itself) of neuter gender.

Ex.

(i) He has killed a snake, it is still lying on the road. (✓)

He has killed a snake, he is still lying on the road. (×)

(ii) We cannot write with this pen because its nib is broken. (✓)

We cannot write with this pen because his nib is broken. (×)

Rule - 8

Collective nouns, jury ………… crow etc. words are denoted the sense of group. It is considered as neuter gender - for these, pronouns (it, its, itself) of neuter gender are used.

Ex.

(i) The committee will submit its report within six months. (✓)

The committee will submit their report within six months. (×)

(ii) The team has declared that it will win the match. (✓)

The team has declared that they will win the match. (×)

But the above collective nouns make sense of 'each member' then plural pronoun - they, them, their, theirs, them selves are used for this.

Ex.

(i) The committee have met and they have rejected the proposal. (✓)

The committee have met and it has rejected the proposal. (×)

Rule - 9

There are some nouns that are used as common gender nouns.

Like as -

Advocate, assistant, cousin, clerk, client, criminal, cyclist, dancer, dealer, doctor, novelist, professor, pupil, secretary, singer, worker, writer, teacher, politician, servant, friend, fool, engineer, helper … etc.

They are used as masculine and feminine gender according to the need.

Masculine	Feminine
He is my doctor.	She is my doctor.
He is a teacher.	She is a teacher.

7. Important Rules -

Rule 1 - We always use singular verb with uncountable nouns.

- Plural of these words does not exist.
- Some examples of uncountable nouns are –

Rule 2 – Certain noun exist in plural forms

Machinery	Scenery	Information	Luggage
Advice	Poetry	Evidence	Help
Furniture	Bread	Wood	Fuel
Hair	Crockery	Cash	Money

only. Thus 's' cannot be removed from such nouns.

- They take plural verb form.

Like as -

Scissors	Jeans	Tweezers	Shorts
Spectacles	Remains	Congratulations	Pliers
Binoculars	Pajamas	Pants	

Ex.

(i) Where are my pants ? (Plural)

(ii) Where are the tongs ? (Plural)

Rule 3 – There are some nouns that indicate – length, measure, money, weight or number. When they are preceded by numeral, they remain unchanged in form.

Like as -

Foot, meter, pair, score, dozen, head, year, hundred, thousand, million, billion, trillion.

(1) If there is a number before them, then 'S' will not be used.

Ex.

(i) Three dozens pencils. (✗)

Three dozen pencils. (✓)

(2) If 'of after them than use 'S'.

Ex.

(i) Thousand of people died of cholera last year. (✗)

Thousands of people died of cholera last year. (✓)

(ii) I have seven dozens of shoes. (✗)

I have seven dozen of shoes. (✓)

Rule 4 – Some nouns are singular in meaning, but they are used as plural nouns and always take a plural verb.

Like as -

cattle, gentry, vermin, peasantry, artillery, people, company, police

Ex.

(i) The cattle is grazing in the ground. (✗)

The cattle are grazing in the ground. (✓)

(ii) Police has controlled the situation. (✗)

Police have controlled the situation. (✓)

Rule 5 – Some nouns like – mathematics, physics, dynamics, ethics, linguistics, meta physics, optics, economics, news, polities, mumps, measles, rickets, athletics, mechanics etc. are in plural forms but used as a singular noun.

Ex.

(i) Mathematics is the science of quantity.

(ii) Bad news travels fast.

Rule 6 – If the same noun is repeated after preposition, the noun will be singular.

noun (s) + preposition + noun (s)

Ex.

(i) Town after town were devastated. (✗)

Town after town was devastated. (✓)

(ii) Row upon row of pink marble look beautiful. (✗)

Row upon row of pink marble looks beautiful. (✓)

Rule 7 – If a numeral adjective and a fraction are used with a noun, the noun is used with the numeral and the noun will be in singular.

Ex.

(i) She gives me <u>one</u> (Numeral Adj.) and <u>a half</u> (Fraction) <u>rupee.</u> (Noun) (✗)

(ii) She gave me one rupee and a half. (✓)

(iii) He gave me two and a quarter rupee. (Incorrect) (✗)

He gave me two rupees and a quarter. (✓)

Rule 8 – Don't say "family members / cousin brother or "cousin sister".

Ex.

(i) The members of the family. (✓)

(ii) He or she is my cousin. (✓)

(iii) He is my english teacher. (✓)

Rule 9 - Certain nouns/words are used in colloquial english which is wrong, some of them are following :-

Wrong	Correct
Cousin brother/cousin sister	Cousin
Pick pocketer	Pick pocket
Good name	Name
Big blunder	Blunder (means a big mistake)
Strong breeze	Strong wind
Bad dream	Nightmare
Proudy	Proud
According to me	In my opinion

8. Grammar Rules for Possessive Nouns

Rule 1

Making singular nouns possessive – Add an apostrophe ('s)

Ex.

(i) Kitten's toy, Joe's car, James's book/ James's (Singular noun)

(ii) Women's dresses, sheep's pasture in 'S'. (Plural not ending)

Rule 2

Making plural nouns possessive – Add just an apostrophe to plural nouns that already end in 'S'.

Ex.

(i) The companies' workers went on strike together.

(ii) You need to clean out the house's stalls.

Rule 3

Making hyphenated nouns and compound nouns plural –

Ex.

(i) My mother-in-law's recipe for meatloaf is my husband's favorite.

(ii) The United States post office's stamps are available in rolls or pockets.

Rule 4

(1) Possessives: Joint or separate ownership –

Ex.

(i) The administrative assistant completed Arvind's and Rohit's report.

(ii) We are planning to attend Sam and Teresa's retirement party.
(One party is being held to celebrate both people's retirement, so the party "belongs" to speak to them jointly.)

(2) We use 's with living things –

- Mohit's Car
- Priya's watch
- The bag of Mohan

(3) We don't use 's with –

- Nonliving thing
- Table's leg (X)
- Leg of the Table (✓)

Rule 5

When two nouns are in apposition, the possessive sign ('s) is added to the latter only.

Ex.

(i) I am going to Ram Lal's, my friend's village. (X)
I am going to Ram Lal, my friend's village. (✓)

Rule 6

The double possessive should not be used –

Ex.

(i) Ram's sister's marriage is on 2nd November. (X)
The marriage of Ram's sister on 2nd Nov. (✓)

(ii) The President's brother's wife died yesterday. (X)
The wife of President's brother died yesterday. (✓)

Rule 7

Possessive sign is also used with the following pronouns –

Anyone	Anybody	Nobody
Somebody	No one	Each other
Everyone	Everybody	
One another	Someone	

Ex.

(i) The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else. (X)
The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else's (✓)

Rule 8

When the two nouns are used after one of the possession or ownership is not shown by possessive sign ('s) but it is shown by proposition of –

Ex.

(i) One of my friend's wife was killed in an accident. (X)
The wife or one of my friends was killed in an accident. (✓)

Exercise

1. Though we have reached at the high (A)/ level of progress in the field (B)/ of medicines, many(C)/ million of period of malaria (D).
2. We have visited many (A)/ firms this year but only one of them is (B)/ suitable for our work, which you admire (C)/ is Naman's, Shivam's and Rohan's(D).
3. The employees greeted the (A)/ manager and his husband with charming (B)/ smile so as to try to make (C)/ the condition less vulnerable (D).
4. The economics of the project makes it (A)/ impossible to the experience (B)/ of great opportunities which can achieves the (C)/ world class performance in the reported approach (D).
5. When our beloved teachers and seniors (A)/ came across to me, we caught one (B)/ another hands and talked for (C)/ many hours after a very long time (D).
6. After a complaint was filled (A)/ the police teams was given the photograph (B)/ of the accused from (C)/ the CCTV footage recorded at the hotel (D).
7. This company cannot work properly (A)/ because it never recruits any talented (B)/ sale representative the most (C)/ important piller in making profits in the market (D).
8. My parents stop my brother-in-law (A)/ going out late at night because (B)/ the situations are not so (C)/ much good in this area now-a-days (D).
9. My sister(a)/ has read (b)/ pages after pages of the bible (c)/ No error (d).
10. The manager put forward (a)/ a number of criterions (b)/ for the post (c)/ no error (d).
11. I like (a)/ the poetries (b)/ of Byron and Shelley(c)/ No error (d).
12. The driver showed (a)/ great talent in keeping (b)/ the damaged car under control (c)/ no error (d).
13. When I entered the bedroom (a)/ I saw a snake crawing (b)/ on the ground (c)/ no error (d).
14. It is very difficult (a)/ to chase (b)/ a huge score in the (c)/ fourth inning (d)/ no error (e).
15. It is a big blunder (a)/ but we had (b)/ to ignore it (c).

Answers

1. (d) use millions instead of million
2. (d) use Naman, Shivam and Rohan's instead of 'Naman's, Shivam's and Rohan's.
3. (b) her husband
4. (a) Make
5. (c) another's hands
6. (b) team
7. (c) sales representative
8. (a) use 'brother-in-law's' instead of 'brother-in-law'
9. (c) page after page
10. (b) criteria is plural of 'criterion'
11. (b) poetry (uncountable noun), hence it is singular and it does not have any plural form.
12. (b) Use 'Skill' instead of talent.
13. (c) Use 'Floor' instead of ground.
14. (d) Use 'Innings' instead of inning.
15. (a) Blunder means big mistake. Hence big blunder is superfluous.